



Vinay



Ishika

Model: Web-MilanKundli

Order No: 119414001

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 16-17/12/1994 : _____ जन्म तिथि _____ : 26/01/1999
 शुक्र-शनिवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 01:55:00 : _____ जन्म समय _____ : 19:42:00 घंटे
 घटी 47:00:12 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 31:13:23 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Meerut
 28:39:13 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:59:04 उत्तर
 77:13:13 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:42:04 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:07 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:06:55 : _____ सूर्योदय _____ : 07:11:18
 17:26:45 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:52:17
 23:47:23 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:29

कन्या : _____ लग्न _____ : सिंह
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : सूर्य
 वृष : _____ राशि _____ : वृष
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 रोहिणी : _____ नक्षत्र _____ : कृतिका
 चन्द्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : सूर्य
 3 : _____ चरण _____ : 3
 साध्य : _____ योग _____ : शुक्ल
 वणिज : _____ करण _____ : तैतिल
 वी-वीरसिंह : _____ जन्म नामाक्षर _____ : उ-उपासना
 धनु : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : कुम्भ
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 चतुष्पाद : _____ वश्य _____ : चतुष्पाद
 सर्प : _____ योनि _____ : मेष
 मनुष्य : _____ गण _____ : राक्षस
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : गरुड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 6मा 17दि
गुरु
03/07/2024
03/07/2040

गुरु	22/08/2026
शनि	04/03/2029
बुध	10/06/2031
केतु	16/05/2032
शुक्र	15/01/2035
सूर्य	03/11/2035
चन्द्र	04/03/2037
मंगल	08/02/2038
राहु	03/07/2040

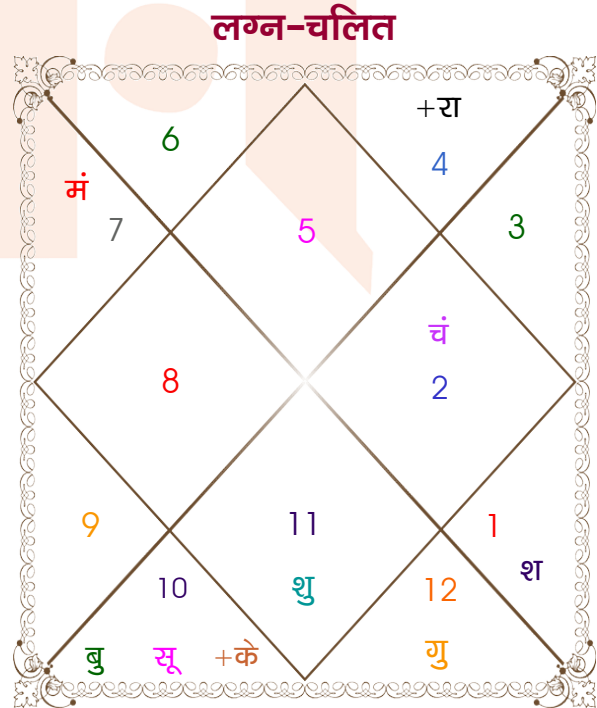
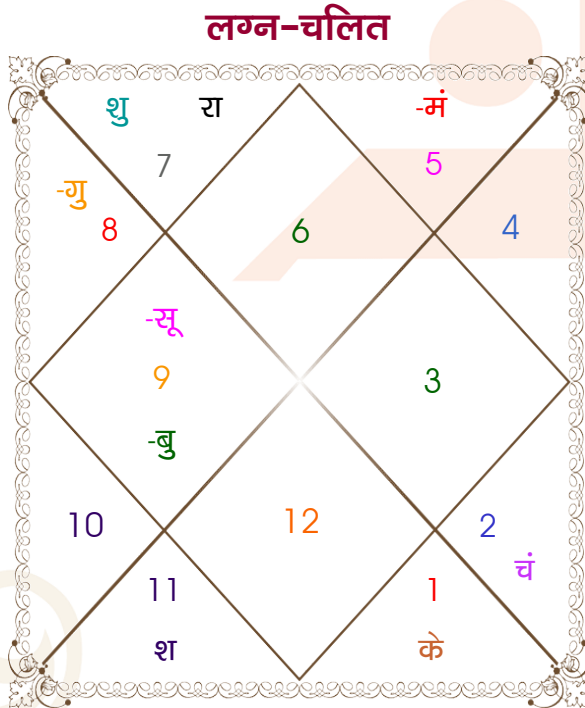
अंश	राशि
22:40:02	कन्या
00:52:07	धनु
17:16:16	वृष
07:08:48	सिंह
02:23:12	धनु
07:48:05	वृश्चि
17:43:51	तुला
13:05:37	कुंभ
20:33:32	तुला व
20:33:32	मेष व
00:50:30	मक
28:13:56	धनु
05:12:21	वृश्चि

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	सिंह	06:35:08
सूर्य	मक	12:19:45
चंद्र	वृष	05:59:11
मंगल	तुला	06:11:46
बुध	मक	06:28:42
गुरु	मीन	02:31:29
शुक्र	कुंभ	03:33:26
शनि	मेष	03:38:25
राहु व	कर्क	28:23:00
केतु व	मक	28:23:00
हर्ष	मक	18:32:31
नेप	मक	08:10:30
प्लूटो	वृश्चि	16:03:04

विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 9मा 20दि
राहु
16/11/2017
17/11/2035

राहु	29/07/2020
गुरु	23/12/2022
शनि	29/10/2025
बुध	17/05/2028
केतु	05/06/2029
शुक्र	05/06/2032
सूर्य	29/04/2033
चन्द्र	29/10/2034
मंगल	17/11/2035

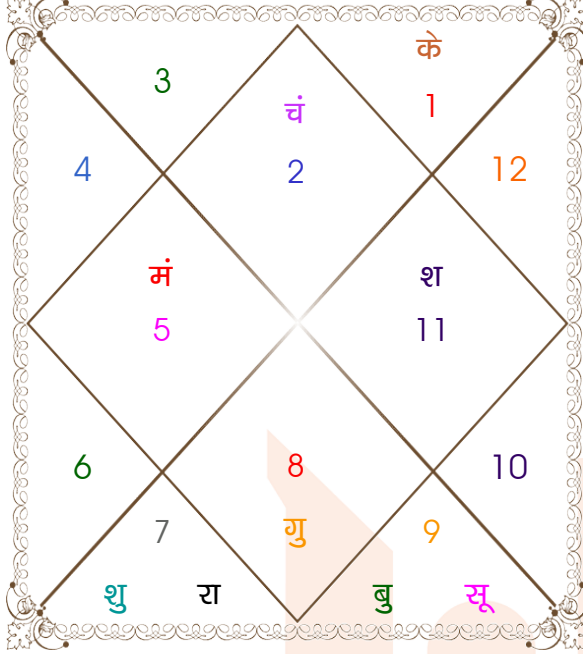
23:47:23 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:29



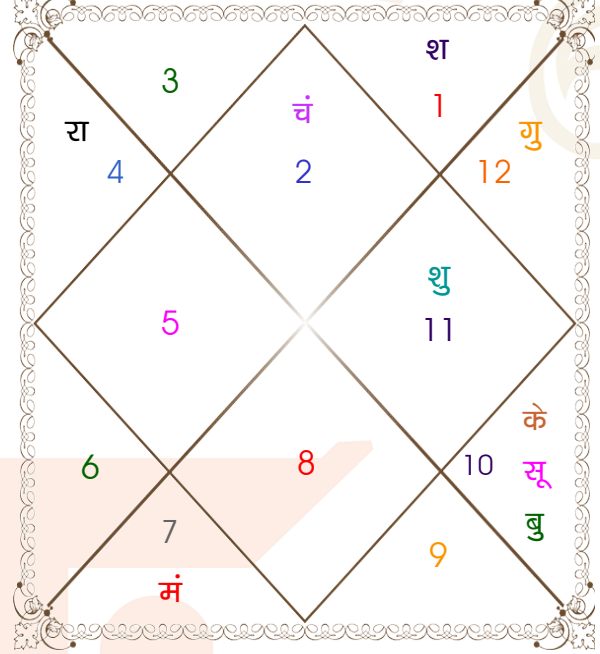
FUTUREPOINT
Astro Solutions



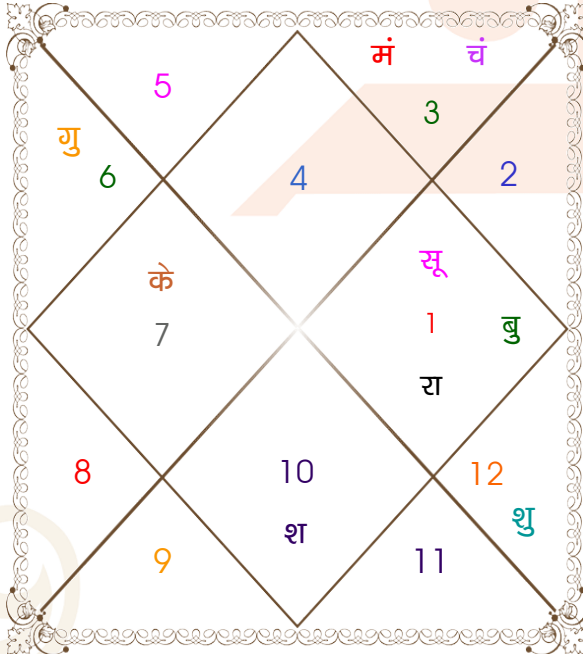
चन्द्र कुंडली



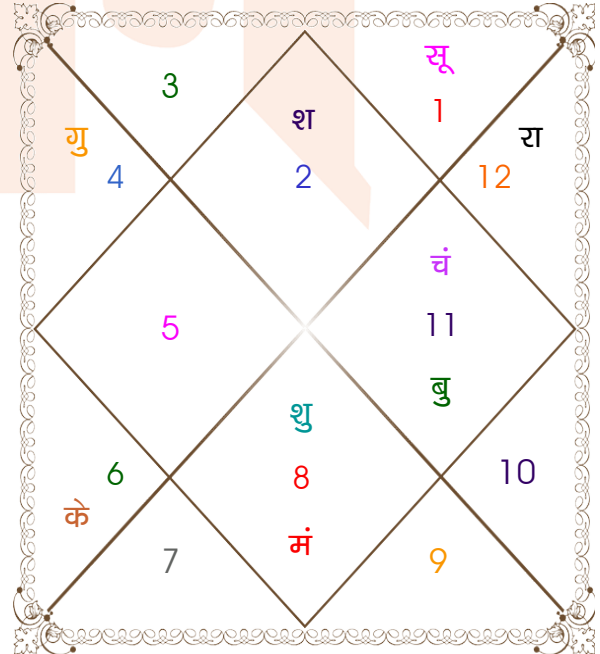
चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



नवमांश कुंडली



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Vinay का नक्षत्र रोहिणी है।

Vinay का वर्ग मृग है तथा Ishika का वर्ग गरुड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vinay और Ishika का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Vinay मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Ishika मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुण्डली में जहाँ मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ishika की कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ishika की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जाता है।

Vinay तथा Ishika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

